यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची

संदर्भ: यूनेस्को द्वारा 'गुजरात के गरबा' को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) सूची में शामिल किया गया है।

- गुजरात का गरबा अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) सूची में शामिल होने वाला भारत का 15वां सांस्कृतिक विरासत बन गया है।
- यह उपलब्धि सामाजिक और लैंगिक समावेशिता को बढ़ावा देने वाली एकीकृत शक्ति के रूप में गरबा की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करती है।
- एक नृत्य शैली के रूप में गरबा का परंपरा और भक्ति प्रथाओं से गहरा संबंध है।
- इसमें विविध पृष्ठभूमियों के प्रतिभागी शामिल होते हैं, जो एक जीवंत जीवित परंपरा को दर्शाते हैं।
- यह नृत्य लगातार सामुदायिक एकता को बढ़ावा दे रहा है और सभी क्षेत्रों के लोगों को एक साथ ला रहा है।
- **गरबा के बारे में:**
  - गरबा भारत के गुजरात राज्य का एक पारंपरिक नृत्य है।
  - "गरबा" नाम संस्कृत शब्द "गर्भ" से लिया गया है।
  - नौ दिनों तक चलने वाले हिंदू त्योहार नवरात्रि के दौरान, कई पारंपरिक गरबा नृत्य एक केंद्रीय रूप से जलाए गए दीपक या हिंदू देवी शक्ति की छवि के आसपास किए जाते हैं।
  - यह नृत्य गर्भाधान या गर्भावस्था का प्रतीक है, जिसमें प्रतिभागी स्त्री के देवत्व रूप, दुर्गा का सम्मान करते हैं।
  - एक चक्रीय घेरे में किया जाने वाला गरबा, समय के चक्रीय होने के हिंदू दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो बदलते ब्रह्मांड के बीच देवी की निरंतर उपस्थिति का प्रतीक है।
  - मिट्टी का दीपक (गर्भ दीप), जिसमें प्रकाश जलता है; जीवन का प्रतीक है और मनुष्यों के भीतर दिव्य ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करता है।
  - आधुनिक गरबा, पारंपरिक रूप से पुरुषों द्वारा किए जाने वाले डांडिया रास से प्रभावित है, जो इसे एक उच्च-ऊर्जा नृत्य बनाता है।
  - पुरुष और महिला दोनों ही रंगीन कपड़े पहनते हैं, महिलाएं चनिया चोली और पुरुष केडियू (Kediyu) पहनते हैं।
  - पारंपरिक गरबा के कपड़े मोतियों, सीपियों, दर्पणों और कढ़ाई से सजाए जाते हैं, जबकि महिलाएं स्वयं को झुमके और हार जैसे गहनों से सजाती हैं।
  - संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित प्रतियोगिताओं और टोरंटो जैसे शहरों में बड़े समारोहों के साथ, गरबा और डांडिया रास ने विश्व स्तर पर लोकप्रियता हासिल की है।
  - गरबा नवरात्रि (नौ रातों का उत्सव) का एक प्रमुख हिस्सा है, जिसमें नौ देवियों पर केंद्रित गीत/गाने होते हैं।
  - गुजरात के विभिन्न क्षेत्रों में गरबा की शैलियाँ अलग-अलग हैं, और प्रतिभागी पारंपरिक रूप से लकड़ी की डांडिया स्टिक का उपयोग करते हैं।
  - अमूर्त विरासत सूची में भारत के निम्नलिखित अमूर्त धरोहर शामिल हैं:
    - √ **2023:** गुजरात का गरबा
    - √ **2021:** कोलकाता का दुर्गा पूजा
    - √ **2017:** कुंभ मेला
    - √ **2016:** नवरोज और योग
    - √ **2014:** जंडियाला गुरु (पंजाब के ठठेरों के बीच बर्तन बनाने की पारंपरिक पीतल और तांबे की शिल्पकला)
    - √ **2013:** संकीर्तन (ढोल बजाने के साथ-साथ अनुष्ठानिक गायन और मणिपुर का नृत्य)
    - √ **2012:** लद्दाख का बौद्ध जप (पवित्र बौद्ध ग्रंथों का पाठ)
    - √ **2010:**
      - o छऊ नृत्य
      - o राजस्थान के कालबेलिया लोक गीत और नृत्य
      - o मुदियेट्टु, केरल का पारंपरिक थियेटर और नृत्य नाटक
    - √ **2009:** रम्मण, गढ़वाल हिमालय का धार्मिक त्योहार और पारंपरिक थियेटर कला
    - √ **2008:**
      - o कुटियाट्टम, संस्कृत रंगमंच
      - o वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा
      - o रामलीला, रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन

महत्वपूर्ण खनिज खदानों की नीलामी

संदर्भ: निजी क्षेत्र द्वारा वाणिज्यिक खनन के लिए बीस ब्लॉकों की नीलामी प्रक्रिया 29 नवंबर को शुरू हुई।

खनन अधिकार और ब्लॉकों के प्रकार:

- लिथियम अयस्क के खनन अधिकारों को निजी पार्टियों को नीलाम करने का यह पहला अवसर है।
- खनन लाइसेंस (एमएल) के लिए चार ब्लॉकों की नीलामी की जाती है, जिससे तत्काल खनन कार्यों की अनुमति मिलती है।
- कंपोजिट लाइसेंस (सीएल) के लिए सोलह ब्लॉकों की नीलामी की जाती है, जो खनन से पहले भूवैज्ञानिक अन्वेषण को सक्षम बनाता है।

महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की अवस्थिति:

- 20 खनिज ब्लॉक आठ भारतीय राज्यों में अवस्थित हैं: तमिलनाडु, ओडिशा, बिहार, उत्तर प्रदेश, गुजरात, झारखंड, छत्तीसगढ़ और जम्मू और कश्मीर।

विशिष्ट खनिजों के लिए नीलाम किये गये अधिकार:

- ओडिशा के तीन ब्लॉक एमएल के तहत नीलाम किए गए हैं, जिनमें निकल, तांबा, ग्रेफाइट और मैंगनीज खदान शामिल हैं।
- तमिलनाडु में एक ब्लॉक (मोलिब्डेनम खदान) एमएल हेतु नीलाम किया गया है।

अनुमोदन और स्वीकृतियाँ:

- कुल रियायती क्षेत्रफल का सत्रह प्रतिशत, यानी 1,234 हेक्टेयर, वन भूमि है।
- संचालन शुरू करने से पहले, लाइसेंसधारक को वन और पर्यावरण मंजूरी सहित 15 अनुमोदन और स्वीकृतियाँ लेने की आवश्यकता होती है।

अनुमानित भंडार नीलामी ब्लॉकों में:

- जम्मू और कश्मीर और छत्तीसगढ़ में दो ब्लॉकों को CL के लिए नीलामी में शामिल गया है, जिसमें जम्मू और कश्मीर ब्लॉक में 5.9 मिलियन टन का अनुमानित भंडार है, जिसमें 3,400 टन से अधिक लिथियम धातु सामग्री है।
- निकल अयस्क के भंडार तीन ब्लॉकों - बिहार, गुजरात और ओडिशा में पाए गए हैं। ओडिशा ब्लॉक में 2.05 मिलियन टन का अनुमानित मूल्य है।

भारत का वर्तमान खनिज आयात:

- वित्तीय वर्ष 2023 में, भारत ने 732 करोड़ रुपये की कुल लागत पर 2,145 टन लिथियम कार्बोनेट और लिथियम ऑक्साइड का आयात किया।
- भारत ने 6,549 करोड़ रुपये की लागत से 32,000 टन निकल का आयात किया।
- 2022-23 में तांबे के अयस्क का आयात 27,374 करोड़ रुपये की लागत से 1.2 मिलियन टन था।
- भारत लिथियम और निकल के लिए 100% और तांबे के लिए 93% आयात पर निर्भर है।

भविष्य की योजनाएँ और नीलामी किश्तें:

- नीलामी प्रक्रिया सरकार द्वारा 30 खनिजों को "संकटपूर्ण या महत्वपूर्ण" घोषित करने के बाद होती है, जिससे लिथियम, नाइओबियम और आरईई के खनन की अनुमति मिलती है।
- वर्तमान में चल रही नीलामी के बाद महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की दूसरी किश्त मिलने की उम्मीद है।
- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने महत्वपूर्ण खनिज भंडारों का पता लगाने के लिए 125 परियोजनाएं शुरू की हैं।
- देश में संपूर्ण मूल्य श्रृंखला के लिए नीतियां और प्रोत्साहन तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण खनिजों के लिए उत्कृष्टता केंद्र की सिफारिश की गई है।

भारत में खनिज की महत्ता:

- महत्वपूर्ण खनिज आर्थिक विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- आपूर्ति श्रृंखला की कमज़ोरियों और संभावित व्यवधानों की संवेदनशीलता इन खनिजों की सीमित उपलब्धता या विशिष्ट भौगोलिक स्थानों में निष्कर्षण और प्रसंस्करण गतिविधियों की एकाग्रता जैसे कारकों से उत्पन्न होती है।
- यह स्रोतों में विविधता लाने और इन आवश्यक तत्वों के लिए एक लचीली आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने के महत्व को रेखांकित करता है।

भारत में महत्वपूर्ण खनिजों की सूची:

- भारत के लिए ये हैं एंटीमनी, बेरिलियम, बिस्मथ, कोबाल्ट, कॉपर, गैलियम, जर्मेनियम, ग्रेफाइट, हेफ़नियम, इंडियम, लिथियम, मोलिब्डेनम, नाइओबियम, निकेल, पीजीई, फॉस्फोरस, पोटाश, आरईई, रेनियम, सिलिकॉन, स्ट्रोंटियम, टैंटलम, टेल्यूरियम, टिन, टाइटेनियम, टंगस्टन, वैनेडियम, ज़िरकोनियम, सेलेनियम और कैडमियम।
- महत्वपूर्ण खनिजों की संख्या अलग - अलग देशों में अलग-अलग है, जैसे अमेरिका में 50, यूरोपीय संघ में 34 और कनाडा में 31 हैं।

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर

संदर्भ: डॉ. बी.आर. अम्बेडकर को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधान मंत्री ने पुष्पांजलि अर्पित की।

- उस समय "अछूत" मानी जाने वाली हिंदू जाति 'महार' में जन्म लेने के बावजूद, बाबा साहेब ने सर्वोच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए सामाजिक सीमाओं को पार कर लिया।
- उन्होंने लिंकन इन (Lincoln's Inn) से कानून की डिग्री प्राप्त की और कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की, और खुद को कानून, अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान में एक असाधारण विद्वान के रूप में स्थापित किया।

- 14 अप्रैल 1891 को महू (अब डॉ. अंबेडकर नगर) में जन्मे डॉ. अम्बेडकर ने, उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में अर्थशास्त्री, प्रोफेसर और वकील सहित विभिन्न भूमिकाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

समाज में योगदान:

- 1924 में, बाबासाहेब ने दलित वर्गों के कल्याण के लिए एक एसोसिएशन की शुरुआत की और 1927 तक, उन्होंने उनके हितों की वकालत करने के लिए बहिष्कृत भारत अखबार का प्रकाशन किया।
- उन्होंने मार्च 1927 में महाड़ सत्याग्रह का सक्रिय नेतृत्व किया और तीनों गोलमेज़ सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया।
- वर्ष 1932 में, डॉ. अम्बेडकर ने महात्मा गांधी के सहयोग से, दलित वर्गों (सांप्रदायिक पुरस्कार) के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्र की अवधारणा को त्यागते हुए, पूना समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- वर्ष 1936 में इंडिपेंडेंट लेबर पार्टी की स्थापना कर उनका उद्देश्य दलित वर्गों के हितों की रक्षा करना था।
- 1942 में लेबर पार्टी के सदस्य के रूप में भारत के गवर्नर जनरल की कार्यकारी परिषद में नियुक्त किये गये, 1946 में वह बंगाल से संविधान सभा के लिए भी चुने गये।
- प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हुए डॉ. अम्बेडकर को; भारतीय संविधान के पिता के रूप में सम्मानित किया जाता है।
- 1947 में, उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल में कानून मंत्री की भूमिका निभाई।
- हालाँकि, हिंदू कोड बिल पर मतभेद के कारण उन्होंने 1951 में कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया।

No	Events in the Buddha life	Symbols
01	Birth	Elephant Bull Lotus Foot Print(Newly born child)
02	Great Renunciation	Horse Begging bowl Gandha Kuti Empty Throne
03	Enlightenment	Bodhi Tree Vajra Asana
04	Teachings (Sermon)	Dhammachakra Lion- The Buddha's teachings are referred as the " The Great roar of the Lion" Deer-First sermon at deer park Foot Print -it symbolise that many a places were purified as the Buddha went there by walk
05	Parinirvana	Stupa

प्रारूप समिति:

- भारतीय संविधान की प्रारूपण समिति में प्रारंभ में सात सदस्य शामिल थे:
  1. अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर
  2. एन गोपालस्वामी
  3. बी.आर. अम्बेडकर (प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत)
  4. के.एम मुंशी
  5. मोहम्मद सादुल्ला
  6. बी.एल. मित्तर
  7. डी.पी. खेतान
- स्वास्थ्य समस्याओं के कारण बी.एल. मित्तर ने इस्तीफा दे दिया और एन माधव राव उनके उत्तराधिकारी बने। डी.पी. खेतान के निधन के बाद 1948 में, टीटी कृष्णामाचारी ने समिति में उनका स्थान लिया।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दिवस

अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दिवस के बारे में:

- अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दिवस हर साल 7 दिसंबर को मनाया जाता है।
- अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है।
- यह दिन अंतर्राष्ट्रीय विमानन की दक्षता, सुरक्षा और सहयोग को बनाए रखने में अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) के विशेष योगदान को भी मान्यता देता है।
- इसकी स्थापना 1994 में अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर की गई थी।
- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1996 में इस दिन को आधिकारिक तौर पर मान्यता दी।
- संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठन दुनिया के सामाजिक और आर्थिक विकास में विमानन के महत्व को पहचानने के लिए इस दिन को मनाते हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन दिवस 2023 का विषय **"वैश्विक विमानन विकास के लिए उन्नत नवाचार"** ("Advancing Innovation for Global Aviation Development") है।

ग्राम मानचित्र

हाल ही में, पंचायती राज मंत्रालय ने ग्राम पंचायत द्वारा स्थानिक योजना को प्रोत्साहित करने के लिए भौगोलिक सूचना प्रणाली एप्लिकेशन "ग्राम मानचित्र " लॉन्च किया है।

ग्राम मानचित्र (Gram Manchitra) के बारे में:

- ग्राम मानचित्र भारत के लिए एक स्थानिक योजना ऐप है।
- यह भारत मैप्स के राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) प्लेटफॉर्म पर आधारित है।
- इस एप्लिकेशन का लक्ष्य जमीनी स्तर पर डिजिटलीकरण और ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देना है।
- यह ग्राम पंचायतों को प्रभावी ढंग से परियोजनाओं की कल्पना करने और योजना बनाने में मदद करता है।
- ग्राम मानचित्र एक एकीकृत भू-स्थानिक मंच प्रदान करता है जो विभिन्न क्षेत्रों में विकासात्मक कार्यों का व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है।

पर्यावरण प्रभाव आकलन

हाल ही में केंद्र सरकार ने संसद को बताया कि उत्तराखंड में चार धाम परियोजना, जिसके तहत सिल्कयारा सुरंग विकसित की जा रही है, के लिए पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) की आवश्यकता नहीं है।

पर्यावरण प्रभाव आकलन:

- पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) एक उपकरण है जिसका उपयोग किसी परियोजना के सकारात्मक और नकारात्मक पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है।
- इसका उपयोग पूर्व-योजना चरण में किसी परियोजना के पर्यावरणीय प्रभावों की भविष्यवाणी करने के लिए किया जाता है ताकि प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए निर्णय लिए जा सकें।
- ईआईए की अवधारणा 1960 और 1970 के दशक में बड़े पैमाने पर विकास परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में बढ़ती चिंताओं की प्रतिक्रिया के रूप में उभरी।
- 27 जनवरी 1994 को भारत सरकार के केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने पहली ईआईए अधिसूचना जारी की।

लाकाडोंग हल्दी

हाल ही में मेघालय की लाकाडोंग हल्दी को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग से सम्मानित किया गया है।

लाकाडोंग हल्दी के बारे में:

- लाकाडोंग हल्दी, हल्दी की एक किस्म है जिसकी उत्पत्ति मेघालय के जैन्तिया हिल्स में हुई थी।
- लाकाडोंग हल्दी को लगभग 6.8 से 7.5 प्रतिशत की करक्यूमिन सामग्री के साथ दुनिया की सबसे अच्छी हल्दी किस्मों में से एक माना जाता है।
- करक्यूमिन वह यौगिक है जो हल्दी को चमकीला पीला रंग प्रदानकर्ता है और इसमें सूजन-रोधी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं।
- गारो दकमंदा (पारंपरिक पोशाक), लारनाई मिट्टी के बर्तन और गारो चुबिची (मादक पेय) को भी भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग से सम्मानित किया गया है।

समाचारों में स्थान

स्वीडन

अमेरिका और स्वीडन ने हाल ही में पहले रक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं जो सैन्य संबंधों को मजबूत करेगा और द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास की अनुमति देगा।

स्वीडन (राजधानी: स्टॉकहोम)

अवस्थिति : स्वीडन उत्तरी यूरोप में स्कैंडिनेवियाई प्रायद्वीप पर स्थित है।

सीमाएँ: स्वीडन की सीमाएँ पश्चिम और उत्तर में नॉर्वे, पूर्व में फ़िनलैंड और दक्षिण और पूर्व में बाल्टिक सागर और बोथनिया की खाड़ी से लगती हैं।

भौतिक विशेषताऐं:

- स्वीडन का निम्नतम बिन्दु क्रिस्टियनस्टेड के पास हैमरसजोन झील (**Lake Hammarsjön**) की खाड़ी में है।
- केबनेकाइज़ (**Kebnekaise**) स्वीडन का सबसे ऊँचा स्थान है।
- ओलैंड दूसरा सबसे बड़ा स्वीडिश द्वीप और स्वीडन के पारंपरिक प्रांतों में सबसे छोटा है।

POINTS TO PONDER

- पेनगंगा नदी पर हाल ही में बनाये जा रहे बांधों के नाम क्या हैं? - **ऊपरी पैनगंगा और निचली पैनगंगा**
- 'गरबा' से पहले यूनेस्को की सूची में भारत की आखिरी सांस्कृतिक विरासत कौन सी जोड़ी गई थी? - **कोलकाता की दुर्गा पूजा**
- कौन सी झील अपने फुमडी और तैरते केबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान के लिए प्रसिद्ध है और लुप्तप्राय संगाई हिरण के लिए अभयारण्य के रूप में कार्य करती है। - **लोकटक झील, मणिपुर**
- 1898 का भारतीय डाकघर अधिनियम किसके कार्यकाल में बनाया गया था? - **वायसराय लॉर्ड एल्गिन-द्वितीय (1894-1899)**
- महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले ने 1873 में किस संगठन की स्थापना की? - **सत्यशोधक समाज**